समावेश

एक पहल...

अंक 8, मई–जुलाई 2012

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रकाशित

संपादक की कलम से...

प्रिय पाठकों,

इस त्रैमास में विकलांगजनों को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से लोन दिला कर कुछ धन राशि उपलब्ध कराई गई जिसका उपयोग उन्होंने अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने व आय में वृद्धि करने में किया।

दृष्टिबाधित बच्चों व व्यस्कों के लिये कौशल विकास प्रशिक्षण का शिविर आयोजित कर उन्हें आत्मनिर्भर व संबल प्रदान करने का प्रयास किया गया। विकलांगों को सरकारी अधिकारियों से सम्मानित कराते हुये उनका उत्साहवर्धन किया गया।

समुदाय को नेत्र के प्रति जागरूक करते हुये उन्हें मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु प्रेरित किया।

आपको यह अंक कैसा लगा इस अंक के बारे में आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं.....

'सम्पादक मंडल'

आत्मनिर्भर बनाने के लिये कौशल विकास प्रशिक्षण

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत 16 से 19 जुलाई 2012 तक व्यस्क दृष्टिबाधितों के लिये चार दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें परियोजना क्षेत्र के 17 गांवों से 24 दृष्टिबाधित व्यक्तियों ने भाग लेकर कौशल विकास के गुण सीखे।

कार्यशाला में दृष्टिबाधित व्यक्तियों का आत्मविश्वास जगाया गया और उन्हें बिना किसी सहारे के चलने फरने का आत्मबल प्रदान किया गया। उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु उनकी रूचि के अनुसार उन्हें कार्य करने की प्रेरणा दी गई। इस हेतु कार्यशाला में जैसलमेर की SURE संस्था के विशेष अध्यापक पूनमचंदजी, निम्बाहेड़ा ब्लॉक से सरकारी अध्यापक प्रेम प्रकाश जी एवं सरसी के किराणा व्यापारी व खेतीहर गोपालजी को उदाहरण स्वरूप पेश किया गया। इन्होंने अपने जीवन का परिचय देते हुये सहभागियों का हौसला बुलंद किया और बताया कि किस तरह से उन्होंने कठिन परिश्रम कर जीवन में सफलता प्राप्त की।

दृष्टिहीनों को दैनिक दिनचर्या में किये जाने वाले कामों को करना सिखाया तथा घर के अन्दर व बाहर छड़ी के माध्यम से चलना फिरना बताया गया। मसाले, अनाज व रूपयों को छूकर पहचान करने की जानकारी दी गई। दिशाओं व अलग अलग स्वाद का ज्ञान प्रदान किया गया। इतनी जानकारी के बाद सहभागी में कुछ आत्मविश्वास दिखाई दिया।

इसके अलावा उन्हें विकलांगों के अधिकारों एवं विकलांगों से जुड़ी सरकारी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की गई। विकलांगत प्रमाण पत्र का महत्व एवं आय संवर्धन गतिविधियों से भी सहभागियों को रूबरू करवाया गया। इस चार दिवसीय कार्यशाला में सहभागियों ने ढोलक, हारमोनियम व मंजिरे बजाते हुये भजन व देशभक्ति गीत गाये और इस कार्यशाला का आनंद लिया। कार्यशाला के अन्तिम दिन में तीन सहभागियों को भजन मंडली से जोड़कर उनको आय संवर्धन गतिविधि की ओर अग्रसर किया। इस दौरान इन लोगों के विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र भी बनवाये गये।

समूह के माध्यम से आगे बढ़ने का प्रयास

कट्स द्वारा साईटसेवर्स के माध्यम से चलाई जा रही परियोजना के तहत् विकलांगों को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया गया।

परियोजना में अब तक 27 समूहों का गठन किया गया है जिसमें लगभग 270 लोग जुड़े हैं और समूह के माध्यम से आय संवर्धन की गतिविधियों की ओर बढ़ने के लिये प्रयासरत हैं।

इन 27 में से 12 समूहों को 7 लाख 25 हजार का लोन मिल चुका है जिससे उन्होंने मुर्गी पालन, पशुपालन, खेती, किराना, आटा चक्की, मोबाईल रिपेरिंग आदि जैसी गतिविधियों से जुड़कर अपने आपको आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया है। चित्तौड़गढ़ जिले में 6 जून 2012 को होने वाले स्वयं सहायता समूह सम्मेलन में निम्बाहेड़ा से प्रेम प्रकाश व रतनदास बैरागी एवं चित्तौड़गढ़ से शकील खान, शम्भूलाल गुर्जर एवं मंजू भाण्ड को जिला कलेक्टर महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन सभी का विकलांगजन की सहायतार्थ और स्वयं सहायता समूह संचालन में विशेष योगदान रहा है।

बच्चों ने लिया प्रशिक्षण का आनन्द

दृष्टिबाधित बच्चों के लिये 15 से 19 मई 2012 तक कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें परियोजना क्षेत्र के चित्तौड़गढ़ व निम्बाहेड़ा ब्लॉक से 13 नेत्रहीन बच्चों ने भाग लिया।

शिविर में भिन्न–भिन्न खेलों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की गई जैसे ब्लॉक जोड़ना, जानवरों फल व सब्जियों को पहचानना, आकृतियां पहचानना जैसे गोला, आयात, त्रिकोण, छोटा–बड़ा की पहचान करना आदि।

बच्चों की रूचि के अनुरूप उनके कौशल का विकास किया गया जैसे – तेरह साल की मंजू की रूचि हारमोनियम बजाने व सोलह साल के गोपाल की रूचि ढोलक व हारमोनियम बजाने में थी तो उन्हें उनका अभ्यास कराया गया। बच्चों को स्वतंत्र रूप से उनकी रूचि के अनुसार कार्य करने दिया गया जिससे उनके मन का भय खुल सके।

बच्चों को घर के अन्दर व बाहर स्वयं गतिशील होने का अभ्यास कराया गया। उन्हें बाहर की दुनिया से रूबरू कराने के लिये पब्लिक पार्क पर ले जाया गया जहां उन्होंने जानवरों की आवाज, पेड़ पौधे, पत्तियों व फूल की पहचान की साथ ही सड़क पर भी स्वतंत्र रूप से चलने का प्रयास किया।

दैनिक गतिविधियों का भी प्रयास कराया गया जैसे नहाना, ब्रश करना, कपड़े जमाना, कंघा करना आदि। बच्चों ने अपनी इन्द्रियां का प्रयोग कर मसाले, दालें व अनाज की पहचान की साथ ही नोटों व सिक्कों को भी छूकर पहचानने का प्रयास किया।

ब्रेल किट का प्रयोग कर उन्हें शिक्षा दी गई तथा ब्रेल किट का उपयोग बताया गया। व्यायाम व योग करवाये गये एवं गीत व कहानियों के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई।

काला पानी का ईलाज से रोशन हुआ जीवन

चित्तौड़गढ़ जिले में चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति के ग्राम पंचायत शम्भूपुरा के गांव पाटनिया में 65 वर्षीय भैरूलाल तेली अपनी पत्नि हुड़ी बाई, दो बेटों रामेश्वर व जगदीश तथा तीन बेटीयों कमला, संतोष एवं धापू के साथ रहता है।

भैरू तेली को अकसर आंखों में दर्द रहता था और आंखों से पानी निकलता था। आखों में परेशानी की वजह से उनको चलने फिरने में परेशानी होती थी। भैरू की एक आंख पूरी तरह से खराब थी दूसरी आंख से कम दिखाई देता था। कार्यकर्ता ने उसे अपनी आंखों की जांच करवाने हेतु कैम्प में दिखाने के लिये प्रेरित किया।

25 नवम्बर 2011 को जब आदित्य बिरला सिमेन्ट, सावा में कैम्प लगा तो भैरू तेली को भी वहां जाने हेतु प्रेरित किया। जांच के पश्चात उसे काला पानी की शिकायत बताई और ऑपरेशन हेतु कहा। केम्प में उसके ऑपरेशन के लिये मना कर दिया गया क्योंकि केम्प में केवल मोतियाबिन्द के ही ऑपरेशन होने थे।

भैरू निराश होकर घर वापस लौट आया। अगली बार जब कार्यकर्ता ने भैरू से मुलाकात की तो उन्होंने सारी बात सुनाई। तब कार्यकर्ता ने उसे गोमाबाई चिकित्सालय नीमच में जाकर आंखों को दिखाने की समझाईश की। भैरू तेली गोमाबाई नेत्रालय गया जहां उसकी पुनः नेत्र जांच हुई और जांच के बाद उसे ऑपरेशन के लिये कहा।

ऑपरेशन होने के अगले ही दिन अस्पताल से उनकी छुट्टी हो गई और डॉक्टरों द्वारा उन्हें दवाईयां प्रदान की गई। भैरू ने समय पर अपनी दवाईयां ली और उसके काला पानी की बिमारी दूर हो गई। अब वो अपनी दैनिक दिनचर्या स्वयं कर सकता है। उसकी आंखों की रोशनी खोने से बच गयी और उसकी आंखों में काफी सुधार हुआ।

उसे देख समुदाय के लोगों में भी नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आई की थोड़ी सी सावधानी से नेत्र ज्योति खोने से बचाई जा सकती है।

परियोजना क्षेत्र का किया दौरा

कट्स द्वारा साईटसेवर्स के सहयोग से संचालित समुदाय आधारित पुनर्वास परियोजना के तहत् 10 व 11 मई 2012 को साईटसेवर्स जयपुर की टीम ने चित्तौड़गढ़ व निम्बाहेड़ा के ब्लॉक में विज़िट कर दृष्टिबाधितों से सम्पर्क किया व कार्यक्रम का मूल्यांकन किया।

वे परियोजना क्षेत्र में भड़ाणा खेड़ा की हीरी भील व जलिया में बगदीराम से मिले जिसका हाल ही में मोतियाबिन्द का ऑपरेशन हुआ था। वे निम्बाहेड़ा ब्लॉक के बड़ोली माधोसिंह गांव के दूसरी कक्षा में अध्ययनरत नेत्रहीन देवराज, बस्सी में रहने वाले नेत्रहीन नारायण जो कक्षा दूसरी में अध्ययनरत है एवं बड़ोदिया के कक्षा छठी में पढ़ने वाले नेत्रहीन लोकेश से भी मिले और उनकी पढ़ाई के बारे में बातचीत की। टीम के सदस्यों ने गिलुण्ड में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों से बातचीत की व नेत्रहीन देवीलाल से मिले जिसने समूह के माध्यम से ऋण प्राप्त कर आटा चक्की व किराने की दुकान लगाई व अपनी आय में बढ़ोतरी की। उन्होंने भूचरतों की खेड़ी के भेरूलाल से भी बातचीत की और उसकी आयसंवर्धन की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। अन्त में वे सभी मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान के सदस्यों से मिले व उनसे बातचीत की।

एक नयी जिन्दगी की शुरूआत

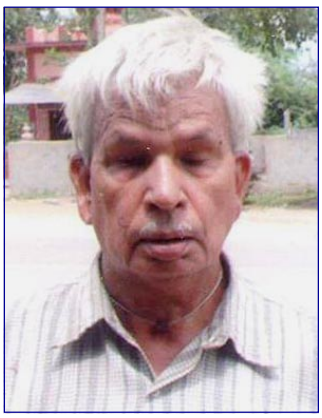

चित्तौडगढ ब्लॉक से 12 कि.मी. की दूरी पर ग्राम पंचायत धनेतकलां का गाँव बोदियाना में विकलांगों के सर्वे के दौरान नेत्रहीन प्रभुलाल नागदा से वार्ड पंच व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के सहयोग से सम्पर्क हुआ।

प्रभुलाल अपनी माता लक्ष्मीबाई एवं पिता किशोर नागदा के साथ रहता है। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। प्रभुलाल की जानकारी लेते हुये कार्यकर्ता उसके घर पहुंचे तो प्रभुलाल सो रहा था। वार्डपंच ने कार्यकर्ता को बताया की नेत्रहीन प्रभुलाल नागदा जन्म के छः माह बाद ही किसी बीमारी के कारण अपनी ऑखों की रोशनी खो चुके हैं।

प्रभुलाल जी नागदा से पूछने पर पता चला कि उन्हें किसी भी सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कार्यकर्ता ने प्रभुलाल जी को प्रशासन गाँव के संग अभियान में जाने के लिये प्रेरित किया और उनका प्रमाण पत्र एवं पेन्शन का फोर्म भरने की जानकारी प्रदान की। गांव में जब प्रशासन गांव के संग अभियान का आयोजन हुआ तब प्रभुलालजी भी वहां गये और अपना विकलांगता प्रमाण पत्र तथा पेन्शन का फार्म भरा। कुछ समय बाद जब कार्यकर्ता पुनः प्रभुलाल से मिले तो उन्होने अपना प्रशासन गांव के संग अभियान में बना विकलांगता प्रमाण पत्र बताया साथ ही अपने बस पास की जानकारी देते हुये इस बात की खुशी जाहिर की कि अब वह बस में निः शुल्क यात्रा कर सकते हैं।

कार्यकर्ता ने प्रभुलाल के पेंशन हेतु ग्राम पंचायत धनेतकलां मे सचिव व सरपंच से सम्पर्क किया तो जानकारी मिली कि प्रभुलाल के नाम जमीन होने के कारण वह बी.पी.एल की श्रेणी में नहीं आता है जिससे उसकी पेन्शन शुरू नहीं हो सकती। कार्यकर्ता ने 15 अक्टुम्बर 2011 को पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ में लगे मेगा शिविर में प्रभुलाल को ले जाकर उसका 14 हजार से कम का आय प्रमाण–पत्र, बनवाया एवं विकलांगता पेन्शन हेतु पुनः आवेदन फोर्म भरवाया। एक माह बाद जब कार्यकता पुनः उनसे मिलने गई तो प्रभुलाल ने बताया कि उसकी 15 दिन की 250 रू पेन्शन मिल गई है।

अक्टूबर माह में जब कट्स के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया तब प्रभुलाल ने भी उसमें भाग लिया जिससे उसका कुछ मनोबल बढ़ा। प्रभुलाल ने कार्यकर्ता से उसके रोजगार हेतु निवेदन किया जिससे की वह आत्मनिर्भर बन सके। कार्यकर्ता ने उसकी इच्छा व आत्मविश्वास को देखते हुये समाज कल्याण कार्यालय से आर्थिक पुर्नवास के लिए 5000 रू का आवेदन फोर्म भरवाया। जब प्रभुलाल को समाज कल्याण विभाग से 5000 रूपये प्राप्त हुये तो कार्यकर्ता ने प्रभुलाल को प्रेरित कर स्वयं की कुछ पुंजी लगाकर उनको किराणा कि दुकान लगाने की सलाह दी। प्रभुलाल ने सलाह मानते हुये एक छोटी सी दुकान खोली और फुटकर किराने का समान डलवाया। इससे दिन भर में 400 रू तक का सामान की बिक्री हो जाती है जिससे प्रभुलाल जी को 1200 रू तक की प्रति माह आमदनी हो जाती है। अब प्रभुलाल अपने पैरों पर खड़ा होकर एक नई जिन्दगी की शुरूआत कर चुका है एवं आत्मनिर्भर बन चुका है।

विकलांग मंच की गतिविधियाँ

मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान ने एक कदम आगे बढ़ाते हुये बहुत ही जदोजहद के बाद 23 मई 2012 को बैंक ऑफ बड़ौदा सेंती में अपना खाता खुलवाया।

संस्था ने अपना कार्यक्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से कपासन ब्लॉक में एक कार्यकारिणी का गठन किया जिसमें सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गा सिंह एवं सचिव रोशन बंजारा का चयन किया गया। इस बैठक में मेंवाड़ विकलांग सेवा संस्थान के अध्यक्ष दिलीप सिंह, उपाध्यक्ष मोहनलाल मेघवाल, कोषाध्यक्ष प्रभुलाल चमार, सामाजिक कार्यकर्ता रोशन लाल मेवाड़ी एवं कट्स प्रतिनिधि किशनलाल भारती सहित 40 विकलांगजनों ने भाग लिया। बैठक का आयोजन नगर पालिका परिसर कपासन में रखा गया।

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा में जिला कलेक्टर महोदय की अध्यक्षता में राजस्थान लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के तहत जन सुनवाई 23 मई 2012 को आयोजित की गई जिसमें निम्बाहेड़ा कार्यकारिणी के अध्यक्ष गोविन्द, सदस्य सत्यनारायण एवं प्रेमप्रकाश सहित कई निःशक्तजनों ने भाग लेकर अधिक से अधिक विकलांगों को सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलवाने की पैरवी की।

पंचायत समिति निम्बाहेड़ा में पंचायत द्वारा 23 अगस्त 2012 को एक शिविर लगाया गया जिसमें संस्था के सदस्यों ने 67 विकलांगों के घर घर जाकर उन्हें सूचित किया व विभिन्न प्रमाण पत्र बनवाने में सहयोग किया।

मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान

परियोजना अधिकारी ने समूह का किया निरीक्षण

मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान की बैठक

व्यस्क नेत्रहीनों का कौशल विकास प्रशिक्षण

छड़ी की सहायता से कराया स्वतंत्र चलने का अभ्यास

साईटसेवर्स अधिकारी समूह की बैठक लेते हुये

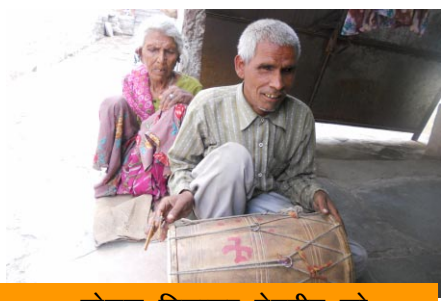

ढोलक दिलाकर नेत्रहीन को रोजगार से जोड़ा

मीडिया

कार्यकारिणी का गठन किया

बच्चों को प्रशिक्षण

मीटिंग में सौंपी जिम्मेदारियां

दृष्टिबाधित बच्चों का शिविर आयोजित

भास्कर न्यूज, चित्तौड़गढ़

जनप्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आयोजित

मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान की कार्यकारिणी घोषित

कपासन। मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में कपासन ब्लॉक मेवाड़ विकलांग संस्थान की कार्यकारिणी के गठन को लेकर शनिवार को स्थानीय नगरपालिका प्रांगण में बैठक का आयोजन ...

दृष्टिबाधित बच्चों का शिविर सम्पन्न

चित्तौड़गढ़, 19 मई। कट्स मानव विकास संस्थान की ओर से दृष्टि बाधित बच्चों के लिए 15 मई से 19 मई तक पांच दिवसीय आवासीय कौशल विकास शिविर का ...

नेत्रहीन व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया

चित्तौड़गढ़। कट्स संस्था द्वारा जैन धर्मशाला में नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए आवासीय प्रशिक्षण शिविर लगा। जिसमें निम्बाहेड़ा एवं चित्तौड़गढ़ ब्लाक के 21 नेत्रहीन व्यक्तियों ने भाग लिया। समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत ... व रेल पास बनाए गए। नेत्रहीन लोगों ...

Sightsavers
North West India Area Office
C-39, Panchsheel Colony, Ajmer Road Jaipur-302006
Ph: +91.141.2812081; Fx: +91.141.2812081-27

कट्स मानव विकास केन्द्र
सेंती (रावला), चित्तौड़गढ़ 312025, फोन: (01472): 241472 फैक्स: 247715
E-mail: chd@cuts.org, Website: www.cuts-international.org

मुद्रक : एस. एन. प्रिन्टर